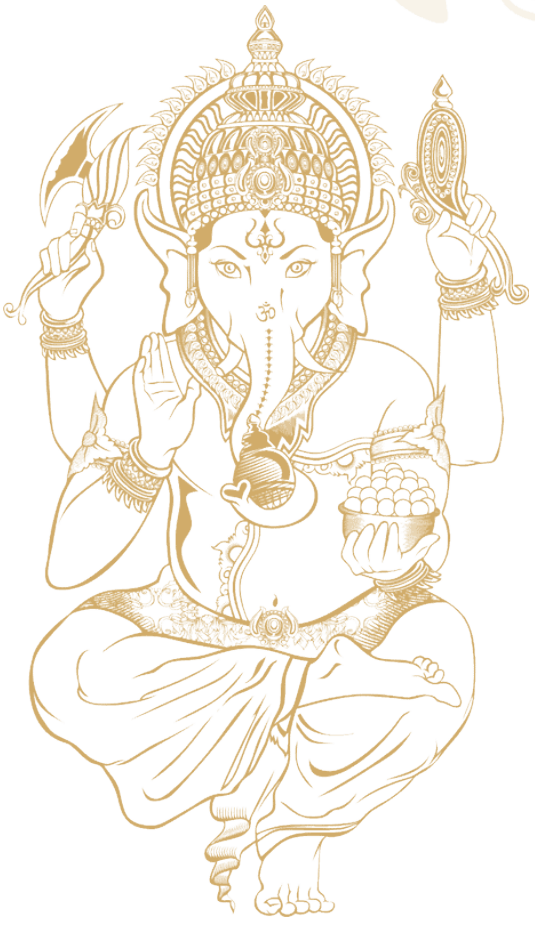

# Lekhika johra

31 Mar 2006

06:25 AM

Sanawad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121812102

| | |
|---|---|
| लिंग | स्त्रीलिंग |
| **जन्म तिथि** | **31/03/2006** |
| दिन | शुक्रवार |
| **जन्म समय** | **06:25:00 घंटे** |
| इष्ट | 00:12:18 घटी |
| **स्थान** | **Sanawad** |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 22:11:00 उत्तर |
| रेखांश | 76:04:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | -00:25:44 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 05:59:16 घंटे |
| वेलान्तर | -00:04:15 घंटे |
| साम्पातिक काल | 18:32:20 घंटे |
| सूर्योदय | 06:20:04 घंटे |
| सूर्यास्त | 18:40:17 घंटे |
| दिनमान | 12:20:12 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | उत्तरायण |
| सूर्य स्थिति(गोल) | उत्तर |
| ऋतु | वसन्त |
| सूर्य के अंश | 16:13:57 मीन |
| लग्न के अंश | 16:43:43 मीन |

**अवकहड़ा चक्र**

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | मीन - गुरु |
| **राशि-स्वामी** | **मेष - मंगल** |
| **नक्षत्र-चरण** | **अश्विनी - 3** |
| नक्षत्र स्वामी | केतु |
| योग | वैधृति |
| करण | कौलव |
| गण | देव |
| योनि | अश्व |
| नाड़ी | आद्य |
| वर्ण | क्षत्रिय |
| वश्य | चतुष्पाद |
| वर्ग | सिंह |
| युँजा | पूर्व |
| हंसक | अग्नि |
| जन्म नामाक्षर | चो-चोखी |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | रजत - स्वर्ण |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | मेष |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | मीन | 16:43:43 | 473:44:39 | रेवती | 1 | 27 | गुरु | बुध | बुध | --- |
| सूर्य | | | मीन | 16:13:57 | 00:59:17 | उ०भाद्रपद | 4 | 26 | गुरु | शनि | गुरु | मित्र राशि |
| चंद्र | | | मेष | 08:25:31 | 14:31:34 | अश्विनी | 3 | 1 | मंगल | केतु | गुरु | सम राशि |
| मंगल | | | वृष | 28:03:33 | 00:33:53 | मृगशिरा | 2 | 5 | शुक्र | मंगल | शनि | सम राशि |
| बुध | | | कुंभ | 20:34:44 | 00:28:15 | पू०भाद्रपद | 1 | 25 | शनि | गुरु | गुरु | सम राशि |
| गुरु | व | | तुला | 23:51:45 | 00:04:41 | विशाखा | 2 | 16 | शुक्र | गुरु | शनि | शत्रु राशि |
| शुक्र | | | मक | 29:49:09 | 01:01:18 | धनिष्ठा | 2 | 23 | शनि | मंगल | शनि | मित्र राशि |
| शनि | व | | कर्क | 10:27:34 | 00:00:36 | पुष्य | 3 | 8 | चंद्र | शनि | सूर्य | शत्रु राशि |
| राहु | व | | मीन | 10:24:30 | 00:00:30 | उ०भाद्रपद | 3 | 26 | गुरु | शनि | सूर्य | सम राशि |
| केतु | व | | कन्या | 10:24:30 | 00:00:30 | हस्त | 1 | 13 | बुध | चंद्र | चंद्र | शत्रु राशि |
| हर्ष | | | कुंभ | 18:25:23 | 00:03:08 | शतभिषा | 4 | 24 | शनि | राहु | चंद्र | --- |
| नेप | | | मक | 25:08:34 | 00:01:36 | धनिष्ठा | 1 | 23 | शनि | मंगल | राहु | --- |
| प्लूटो | व | | धनु | 02:48:39 | 00:00:03 | मूल | 1 | 19 | गुरु | केतु | शुक्र | --- |
| दशम भाव | | | धनु | 13:28:49 | -- | पूर्वाषाढ़ा | -- | 20 | गुरु | शुक्र | शुक्र | -- |

व - वक्री  स - स्थिर
अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:38

## लग्न-चलित

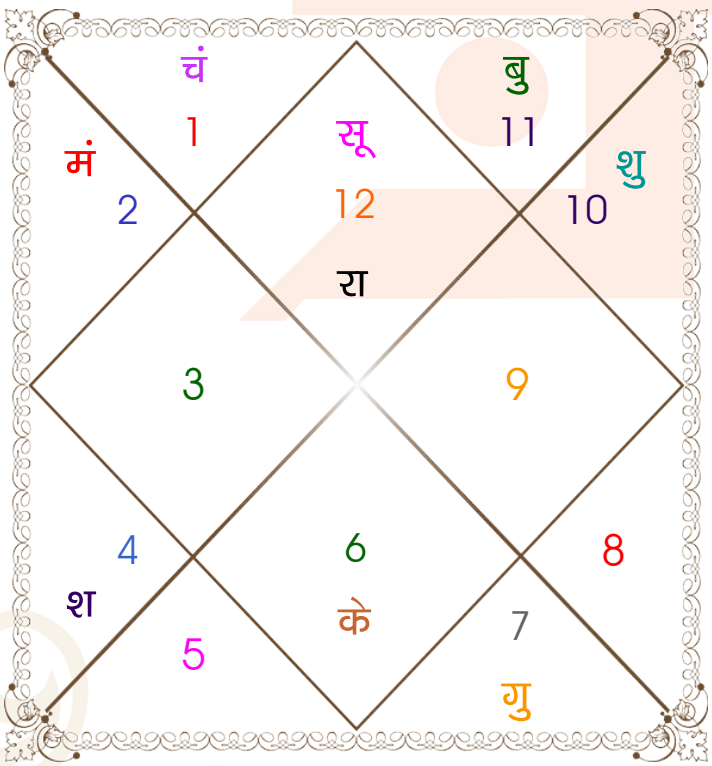


## चन्द्र कुंडली

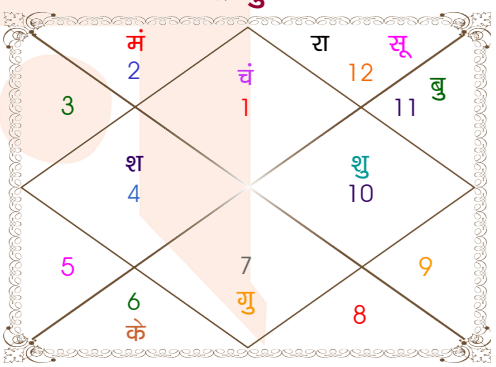


## नवमांश कुंडली

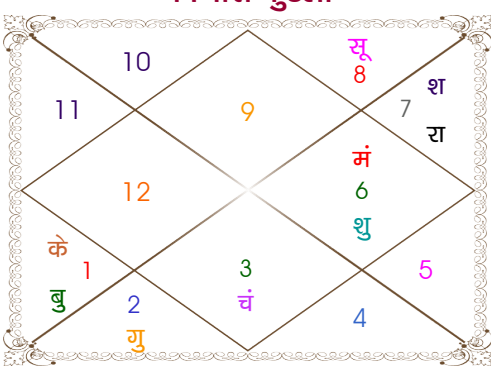

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : केतु 2 वर्ष 6 मास 28 दिन

| केतु 7 वर्ष | | शुक्र 20 वर्ष | | सूर्य 6 वर्ष | | चंद्र 10 वर्ष | | मंगल 7 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 31/03/2006 | | 27/10/2008 | | 27/10/2028 | | 27/10/2034 | | 27/10/2044 | |
| 27/10/2008 | | 27/10/2028 | | 27/10/2034 | | 27/10/2044 | | 28/10/2051 | |
| | 00/00/0000 | शुक्र | 26/02/2012 | सूर्य | 13/02/2029 | चंद्र | 28/08/2035 | मंगल | 25/03/2045 |
| | 00/00/0000 | सूर्य | 26/02/2013 | चंद्र | 15/08/2029 | मंगल | 28/03/2036 | राहु | 13/04/2046 |
| | 00/00/0000 | चंद्र | 27/10/2014 | मंगल | 21/12/2029 | राहु | 27/09/2037 | गुरु | 19/03/2047 |
| | 00/00/0000 | मंगल | 28/12/2015 | राहु | 15/11/2030 | गुरु | 27/01/2039 | शनि | 27/04/2048 |
| | 00/00/0000 | राहु | 27/12/2018 | गुरु | 03/09/2031 | शनि | 27/08/2040 | बुध | 24/04/2049 |
| | 31/03/2006 | गुरु | 27/08/2021 | शनि | 15/08/2032 | बुध | 26/01/2042 | केतु | 21/09/2049 |
| गुरु | 21/09/2006 | शनि | 27/10/2024 | बुध | 21/06/2033 | केतु | 28/08/2042 | शुक्र | 21/11/2050 |
| शनि | 31/10/2007 | बुध | 28/08/2027 | केतु | 27/10/2033 | शुक्र | 27/04/2044 | सूर्य | 29/03/2051 |
| बुध | 27/10/2008 | केतु | 27/10/2028 | शुक्र | 27/10/2034 | सूर्य | 27/10/2044 | चंद्र | 28/10/2051 |

| राहु 18 वर्ष | | गुरु 16 वर्ष | | शनि 19 वर्ष | | बुध 17 वर्ष | | केतु 7 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 28/10/2051 | | 27/10/2069 | | 27/10/2085 | | 28/10/2104 | | 28/10/2121 | |
| 27/10/2069 | | 27/10/2085 | | 28/10/2104 | | 28/10/2121 | | 00/00/0000 | |
| राहु | 10/07/2054 | गुरु | 15/12/2071 | शनि | 30/10/2088 | बुध | 27/03/2107 | केतु | 26/03/2122 |
| गुरु | 02/12/2056 | शनि | 28/06/2074 | बुध | 10/07/2091 | केतु | 23/03/2108 | शुक्र | 26/05/2123 |
| शनि | 09/10/2059 | बुध | 03/10/2076 | केतु | 18/08/2092 | शुक्र | 22/01/2111 | सूर्य | 01/10/2123 |
| बुध | 28/04/2062 | केतु | 08/09/2077 | शुक्र | 19/10/2095 | सूर्य | 28/11/2111 | चंद्र | 01/05/2124 |
| केतु | 16/05/2063 | शुक्र | 09/05/2080 | सूर्य | 30/09/2096 | चंद्र | 29/04/2113 | मंगल | 27/09/2124 |
| शुक्र | 16/05/2066 | सूर्य | 26/02/2081 | चंद्र | 01/05/2098 | मंगल | 26/04/2114 | राहु | 16/10/2125 |
| सूर्य | 10/04/2067 | चंद्र | 28/06/2082 | मंगल | 10/06/2099 | राहु | 12/11/2116 | गुरु | 01/04/2126 |
| चंद्र | 09/10/2068 | मंगल | 04/06/2083 | राहु | 17/04/2102 | गुरु | 18/02/2119 | | 00/00/0000 |
| मंगल | 27/10/2069 | राहु | 27/10/2085 | गुरु | 28/10/2104 | शनि | 28/10/2121 | | 00/00/0000 |

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 2 वर्ष 7 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

ज्योतिषीय आकृति के अनुरूप आपका जन्म रेवती नक्षत्र के प्रथम चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्म लग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं कर्क राशीय द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म की शुभ अनुकूलता मात्र प्रत्याशा पूर्वक विश्वास ही नहीं दिलाती है। बल्कि साथ-साथ आपके सांसारिक सुखों को स्वाभाविक रूप से धन लाभ से युक्त करा कर धार्मिक मानचित्र को उन्नतिशील कर रहा है।

मीन राशि आपको ज्ञात कराती है कि इस राशि के प्राणी मोक्ष प्राप्त कर उद्धार हो जाते हैं। आप अत्यंत मर्यादित एवं विश्वसनीय प्राणी है। क्योंकि आपका झुकाव धार्मिक है। आपको संतों की सेवा हेतु उत्सुक कर दिया है। आप सांसारिक सुखों में जिससे आप संबंधित हैं और उस अभिप्रायः में उन्नति कर सकती हैं। यह विषय चिंतनीय एवं निश्चित है कि आप अपने कार्य विषय में सुगमता पूर्वक लक्ष्य तक नहीं जा सकती। क्योंकि मीन राशि द्विस्वाभावात्मक स्वभाव के होते हैं जो आपके चरित्र को दो विपरीत दिशा में विभक्त करता है। आपका एक पक्ष तो यह है कि आपकी अभिरूचि धार्मिक दर्शन के पक्ष में है। अन्य दूसरा पक्ष आपको वासनात्मक प्रवृति की ओर अभिलाषित करता है। अतएव आप स्वच्छंदता पूर्वक यह धारण कर लें कि आपको कौन सा पथ चयन करना है। मिश्रित विचार के कारण दोनों दिशाओं में से कोई भी दिशा न यहां का रहने देगा और नहीं वहां का।

आप इन विचारों से उपर उठकर उत्सुकता पूर्वक सुनिश्चित करें कि क्या आपके घरेलू जीवन में वसना सर्वथा सहायक होगी। भविष्य में आप एक अच्छे पति की पत्नी होंगी तथा आपका एक प्रसन्नतम घर भी होगा। इसकी संपन्नता के संबंध में आपको विचार करना चाहिए कि पारिवारिक सुखद वातावरण के लिए अपनी भागीदारी प्रदान करना है।

आपके संबंध में कुछ और भी लाभ जनक बिंदु यह है कि आप शीघ्रतापूर्वक रूचि कर औपचारिकता यह निभाएं कि अकर्मणयता (नपुंसकता) त्याग कर स्नेहमय वातावरण का निर्णायक बन आप अन्य लोगों की मदद करें। परंतु आप एकाएक किसी भी विषय को प्रस्तुत नहीं करें। परिस्थिति वश किसी को भी दुःख नहीं पहुंचाएं। आप सामान्य लोगों का अपना प्रिय पात्र बनाएं। अतएव आप ऐसा अनुभव नहीं करे कि अधिक आयु के हो जाने पर आपको अपनी संतान पर निर्भर रहना पड़ेगा। आप अपनी अभिलाषा यह रखें कि अपने संभव कार्य कलाप द्वारा बाद की उसमें खर्च हेतु आय का कुछ अंश को सुरक्षित कर लें। आप इसी प्रकार के कार्य उद्देश्य रखें तथा कुशाग्र बुद्धिमत्ता पूर्वक अच्छा व्यवसाय करें। इसके पश्चात् प्रायः भाग्य आपका पक्षपाती नहीं होगा।

दूसरी दृष्टि से आपकी जन्मपत्रिका में तीन निराशात्मक महत्वपूर्ण बिंदु दृश्य हो रहे हैं जो कि आपकी आयु के 17 वें, 21 वें और 24 वें वर्ष आपके लिए बहुत अधिक अनुकूल प्रमाणित नहीं होंगे अर्थात् जीवन की उपरोक्त संबंधित आयु आपके लिए प्रतिकूल फलदायी होगा। आपके लिए यह अनुग्रहणीय है कि आप इस उम्र में सतर्कता पूर्वक अग्रसर होंवे।

आपके लिए अन्य आवश्यक सुझाव यह है कि आप अपने मित्रों से भी सावधान

रहें। क्योंकि इनका हाव-भाव एक घनिष्ट मित्र के जैसा होगा। जो अविश्वसनीय प्रमाणित होगा। इसलिए आप इनका गहन अध्ययन कर अथवा गंभीरता पूर्वक विचार कर, इनको अपना बनावें।

आपके लिए रंगीन समय तब होगा जबकि आप अपने व्यवहारिक जीवन में रंग गुलाबी, नारंगी एवं पीले रंग के वस्त्रादि का व्यवहार करें। परंतु नीले रंग का परित्याग करें। मात्र नीला रंग आपके हित प्रतिकूल है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक भाग्यशाली है। एवं अंक 8 आपके लिए निश्चित रूप से खराब है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन भाग्यशाली एवं महत्वपूर्ण कार्य हेतु अनुकूल है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के शेष दिन सर्वथा त्याज्यनीय है।